>

Title: Need to take steps to control the high rate of infant mortality rate due to diarrhoeal diseases in the country.

श्रीमती सीमा उपाध्याय (फतेहपुर सीकरी): अभी हाल ही में प्रकाशित ब्रिटिश पत्रिका "लैंसेट" की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में दस्त की वजह से वर्ष 2008 में रोटावायरस संक्रमित पेचिस के कारण 98 हजार 6 सौ 21 नवजात शिशुओं की मौत हुई, यह संख्या पूरी दुनिया में 22 फीसदी है।

इस रिपोर्ट में पड़ोसी बांग्लादेश के मुकाबले भारत की स्थिति खराब पाई गई है। भारत में 5 साल से कम उम्र के लगभग 13 फीसदी बच्चों की दस्त की वजह से मौत हो जाती है। खेद की बात है कि वर्षों से चली आ रही इस बीमारी के लिए सरकार अभी तक कोई टीका उपलब्ध नहीं करा सकी है। इस पर कई वर्षों से अनुसंधान चल रहा है। मेरा मानना है कि यदि दस्त का टीका सरकार उपलब्ध करा दें और सभी नवजात शिशुओं के टीकाकरण अभियान में उसे शामिल कर दे, तो असमय मौतों पर काफी हद तक विराम लगाया जा सकता है।

मेरी मांग है कि सरकार दस्त के कारण देश में होने वाली नवजात शिशुओं की मृत्यु को रोकने के लिए अविलंब सभी आवश्यक कदम उठाए।